Bf – तुम सांप के बच्चे किसने आपको आने वाले क्रोध से भागने
की चेतावनी दी मत्ती ३७-१०; लूका ३७-१४ | 1

– Save This Page as a PDF–

तुम सांप के बच्चे,

किसने आपको आने वाले क्रोध से भागने की चेतावनी दी मत्ती ३:७-१० और लूका ३:७-१४

खोदाई: जॉन के बपतिस्मा, यहूदी बपतिस्मा और आस्तिक के बपतिस्मा में क्या अंतर है। यूहन्ना को देखने के लिए फरीसियों और सदूकियों ने यरूशलेम से यरदन नदी की यात्रा क्यों की? यूहन्ना ने उन्हें सांप का बच्चा क्यों कहा? आने वाला क्रोध क्या था जिसके बारे में यूहन्ना ने बात की? बपतिस्मा देने वाला कौन सा फल ढूंढ़ रहा था? किसने पूछा कि उन्हें क्या करना चाहिए? जॉन की प्रतिक्रिया क्या थी?

प्रतिबिंब: आज के “फरीसी और सदूकी” कौन हैं? पश्चाताप आपके उद्धार के अनुभव से कैसे जुड़ा है? क्या आपने विश्वासी के बपतिस्मा में प्रभु का अनुसरण किया है?

मत्ती यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के प्रचार के इस एक नमूने को लिपिबद्ध करता है। ल्यूक में समानांतर खाता अधिक विवरण देता है, लेकिन संदेश वही है: पश्चाताप और बपतिस्मा के लिए एक कॉल, मन और हृदय का एक आंतरिक परिवर्तन, साथ ही एक बाहरी कार्य जो उस परिवर्तन का प्रतीक है – और, इससे भी महत्वपूर्ण, एक तरीका जीवन जिसने परिवर्तन का प्रदर्शन किया।

योचनन एक अविस्मरणीय व्यक्ति था। उनका परमेश्वर के पीछे आंदोलन जंगल में काफी हलचल पैदा कर रहा था। जब भी नोट का कोई भी मसीहाई आंदोलन हुआ, महान महासभा (देखें Lg – महान महासभा) के पास यह निर्धारित करने की दोहरी जिम्मेदारी थी कि आंदोलन महत्वपूर्ण था या महत्वहीन। जब योचनन ने पश्चाताप के बपतिस्मा का प्रचार करना और भारी भीड़ को आकर्षित करना शुरू किया, तो येरुशलम में धार्मिक नेताओं के लिए यह स्पष्ट हो गया कि इस आंदोलन की और जाँच करने की आवश्यकता है क्योंकि कुछ कह रहे थे कि जॉन मसीहा थे। इसलिए महान संहेद्रिन ने निरीक्षण के पहले चरण को शुरू करने के लिए प्रतिनिधियों को भेजा (नीचे देखें)। आप देखेंगे कि यूहन्ना यहाँ सारी बातें करता है क्योंकि फरीसी और सदूकी केवल देख सकते थे।

परन्तु फिर उसने बहुत से फरीसियों और सदूकियों को उस स्थान पर आते देखा जहाँ वह बपतिस्मा दे रहा था (मत्ती ३:७a; लूका ३:७)। वह जहां था, वहां आने वाला वाक्यांश अपूर्ण काल में है, और निरंतर कार्रवाई की बात करता है। वे आते रहे और आते रहे और आते रहे। और डूबना भी अपूर्ण काल में है, यूहन्ना बपतिस्मा देता रहा, और बपतिस्मा और बपतिस्मा देता रहा! लेकिन प्रेरितों के काम २ में यूहन्ना के बपतिस्मे और

Bf – तुम सांप के बच्चे किसने आपको आने वाले क्रोध से भागने
की चेतावनी दी मत्ती ३७-१०; लूका ३७-१४ | 2

मसीहाई मण्डली के शुरू होने के बाद डूबे हुए लोगों के बीच क्या अंतर था।

यूहन्ना का बपतिस्मा परमेश्वर की ओर वापस जाने का आंदोलन था जो मसीहा की प्रतीक्षा कर रहा था। यह राज्य केन्द्रित था और पश्चाताप का बपतिस्मा था। यूहन्ना के बपतिस्मा और धर्मान्तरित बपतिस्मा के बीच का अंतर यह था कि यूहन्ना यहूदियों को बपतिस्मा दे रहा था। यह लेवीय धुलाई से बहुत अलग था। जो यहूदी पैदा हुए थे, उनके लिए यूहन्ना का एक बार के बपतिस्मा का आह्वान अभूतपूर्व था क्योंकि इसमें कहा गया था कि वंश एडीओएनएआई के साथ किसी के रिश्ते की गारंटी नहीं है। यहूदियों ने केवल एक बार की धुलाई परमेश्वर के लिए की थी, जो उनके यहूदी धर्म के सच्चे विश्वास में बाहरी लोगों के रूप में आने का प्रतीक था। एक यहूदी के लिए एक अद्भुत प्रवेश। परमेश्वर की चुनी हुई जाति के सदस्य, इब्राहीम के वंशज, मोशे की वाचा के उत्तराधिकारी, एक अन्यजाति की तरह डूबने के लिए यूहन्ना के पास आए।

यहूदी बपतिस्मा को गैर-यहूदियों या बीजतीयो के लिए धर्मान्तरित बपतिस्मा कहा जाता था। एक अन्यजाति के यहूदी बनने के लिए दो आवश्यकताएं थीं: बपतिस्मा, पुरुषों के लिए खतना, और महिलाओं द्वारा चढ़ाया जाने वाला बलिदान। अपने डूबने से एक अभियुक्त ने संकेत दिया कि वह अपने पुराने देवताओं के प्रति अपनी निष्ठा सहित अपने पुराने समाज में अपने रिश्ते को समाप्त कर रहा था। स्व-प्रशासित डूबने, एक नए जन्म का प्रतीक था। धर्म अपनाने वाले को मृतकों में से जी उठा हुआ माना जाता था। हालाँकि, योचनन का बपतिस्मा अलग था क्योंकि यह स्व-प्रशासित नहीं था, बल्कि इसलिए भी था क्योंकि उसने यहूदियों को विसर्जित कर दिया था।

विश्वासियों का बपतिस्मा यीशु मसीह की मृत्यु, दफनाने और पुनरुत्थान के साथ नए परिवर्तित की पहचान करता है (प्रथम कुरिन्थियों १५:३-४)। यह एक आंतरिक दृढ़ विश्वास की एक बाहरी अभिव्यक्ति है। इसलिए जिन लोगों ने यूहन्ना से बपतिस्मा लिया था उन्हें मसीहा ग्रहण करने के बाद फिर से बपतिस्मा लेना पड़ा। इसका उद्धार से कोई लेना-देना नहीं है, बल्कि यह केवल आज्ञाकारिता का बिंदु था। यीशु के स्वर्गारोहण से पहले उसने आज्ञा दी: स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिए जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ, और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। और निश्चय ही, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूं (मात्ती २८:१८-२०)।

Bf – तुम सांप के बच्चे किसने आपको आने वाले क्रोध से भागने
की चेतावनी दी मत्ती ३७-१०; लूका ३७-१४ | 3



यूहन्ना के संदेश का जवाब देने के लिए फरीसी
और सदूकी जॉर्डन में नहीं थे। वे एक अलग कारण से वहां थे। महासभा ने उन्हें यूहन्ना का निरीक्षण करने के लिए भेजा था। दूसरों ने इस बपतिस्मा को कुछ नए धार्मिक अनुभव के रूप में नहीं देखा, लेकिन जॉन के बपतिस्मा को पश्चाताप और मसीहा की तैयारी के रूप में समझा। वह स्पष्ट रूप से जनता को खुश करने की कोशिश नहीं कर रहा था जब उसने पुकारा: हे सांप के बच्चों (मत्ती ३:७b)! बच्चे या संतति के लिए शब्द यूनानी शब्द जिनिमा है। एक अवसर पर यीशु ने फरीसियों का वर्णन करने के लिए सांप के बच्चों के वाक्यांश का उपयोग किया (मत्ती १२:३४, २३:३३)। सांप छोटे लेकिन बेहद जहरीले रेगिस्तानी सांप थे जिनसे योचनन निश्चित रूप से परिचित रहे होंगे।

फरीसियों और सदूकियों को बुलाना सांपों के एक समूह ने उनके पाखंड को उजागर किया, साथ ही इस तथ्य को भी उजागर किया कि उनके दुष्ट कार्यों को मूल सर्प ने उन तक पहुंचाया था (उत्पत्ति ३:१-१३)। मत्ती २३:३३ में यीशु ने शास्त्रियों और फरीसियों को सांप और साथ ही सांपों के एक बच्चे को भी बुलाया। बाद में, यूहन्ना ८:४४ में, फरीसियों ने यीशु को चुनौती दी और उसने उनसे कहा: तुम अपने पिता, शैतान के हो, और अपने पिता की इच्छा को पूरा करना चाहते हो। वह तो आरम्भ से हत्यारा है, और सत्य पर स्थिर न रहा, क्योंकि सत्य उसमें है ही नहीं। जब वह झूठ बोलता है, तो अपनी मातृभाषा बोलता है, क्योंकि वह झूठा है और झूठ का पिता है। वे धार्मिक पाखंडी शैतान के बच्चे थे जो आत्माओं के शत्रु की छलपूर्ण बोली लगा रहे थे।

आपको आने वाले क्रोध से भागने की चेतावनी किसने दी (मत्तीयाहू ३:७; लूका ३:७)? यह ऐसा है मानो यूहन्ना कह रहा हो, “तू उन साँपों के समान है जो जंगल में झाड़ में आग लगने पर अपनी मांद से निकल भागते हैं, और पत्थरों पर रेंगकर अपनी मांदों में चले जाते हैं।” यूहन्ना का उपदेश स्पष्ट रूप से मसीहाई समुदाय में प्रवेश करने और उसके उद्धार का अनुभव करने के साधनों से संबंधित था, और इसलिए, उसने पश्चाताप के लिए एक सार्वभौमिक आह्वान का प्रचार किया। एक बहुत ही सीधी फटकार होने के बावजूद, यह वास्तव में पिछली पीढ़ियों के भविष्यवक्ताओं द्वारा कही गई बातों से अलग नहीं थी (भजन संहिता ५८)।

मन फिराव के अनुसार फल उत्पन्न करें (मत्ती ३:८; लूका ३:८a)। योचनन ने पश्चाताप

Bf – तुम सांप के बच्चे किसने आपको आने वाले क्रोध से भागने
की चेतावनी दी मत्ती ३७-१०; लूका ३७-१४ | 4

के इस बपतिस्मा की मांग करने के उनके उद्देश्यों पर भी सवाल उठाया क्योंकि उन्होंने अपनी ईमानदारी के प्रमाण के रूप में कोई फल नहीं दिखाया। आप पाप से मुड़े बिना परमेश्वर की ओर नहीं मुड़ सकते। यह ऐसा था मानो यूहन्ना कह रहा हो, “तुमने पश्चाताप का बिल्कुल कोई सबूत नहीं दिखाया है, लेकिन अब तुम्हारे पास मुड़ने और एक अलग दिशा में जाने का मौका है। आगे बढ़ो और मुझे दिखाओ कि तुम अपनी दुष्टता से फिर गए हो और मुझे तुम्हें बपतिस्मा देने में बहुत खुशी होगी।” रब्बियों ने कहा, “पश्चाताप महान है, क्योंकि यह संसार में चंगाई लाता है। महान पश्चाताप है, क्योंकि यह परमेश्वर के सिंहासन तक पहुंचता है। कुछ रब्बियों का मानना था कि तोराह आदम से दो हज़ार साल पहले बनाया गया था, लेकिन वह पश्चाताप तोराह से भी पहले बनाया गया था। रब्बियों ने सिखाया कि पश्चाताप के द्वार कभी बंद नहीं होते, पश्चाताप समुद्र की तरह है, क्योंकि एक व्यक्ति किसी भी समय इसमें स्नान कर सकता है। यहूदी धर्म में पश्चाताप का अर्थ हमेशा हृदय परिवर्तन रहा है, जिसके परिणामस्वरूप इश्वर के साथ घनिष्ठ संबंध रहा है।

वास्तविक पश्चाताप में स्वयं यहोवा के विरुद्ध गलत कार्य करने और पाप करने का गहरा भाव शामिल है। बतशेबा के साथ व्यभिचार करने और ऊरिय्याह को मार डालने के बाद (दूसरा शमूएल ११), दाऊद चिल्लाया: तेरे विरुद्ध, केवल तू ही ने पाप किया है, और जो तेरी दृष्टि में बुरा है वही किया है (भजन संहिता ५१)। उसने न केवल अपने पाप को देखा, बल्कि वह स्वयं को इससे मुक्त करने के लिए बेताब भी था। एक अन्य भजन में उसने घोषणा की: जब मैं चुप रहा, तब दिन भर कराहते कराहते मेरी हड्डियां पिघल गई (भजन संहिता ३२:३)। वास्तविक पश्चाताप का दुःख दाऊद के समान है; यह यहोवा के विरुद्ध पाप करने का शोक है, केवल इसलिए नहीं कि हमें अपने कार्यों का परिणाम भुगतना है। यह केवल स्वार्थी पछताना है और केवल प्रारंभिक पाप में जोड़ता है। आध्यात्मिक फल सच्चे पश्चाताप का प्रमाण है। उन सभी लोगों में जिन्हें सच्चे पश्चाताप का अर्थ जानना चाहिए था, वे फरीसी और सदूकी थे, लेकिन दुख की बात है कि उन्होंने ऐसा नहीं किया।

यूहन्ना ने उनकी प्रतिक्रिया का अनुमान लगाया जो अब्राहम के साथ उनके कथित श्रेष्ठ संबंध पर निर्भर था। यहूदियों का मानना था कि परमेश्वर का क्रोध केवल अन्यजातियों पर ही उंडेला जाएगा, जबकि इब्राहीम की सन्तान के रूप में उनका बचना निश्चित था। तलमूद के शब्दों में, कि यशायाह 21:12 की रात केवल दुनिया के [अन्यजातियों] राष्ट्रों के लिए थी, लेकिन सुबह का वादा इज़राइल (जिर्मिया तनीत ६४a) से किया गया था। उनका मानना था कि सभी यहूदी धर्मी इब्राहीम के साथ अपने विशेष संबंध के आधार पर, भगवान के सामने एक श्रेष्ठ स्थिति के लाभों का आनंद उठाते थे। सो यूहन्ना ने यह कहते हुए आरम्भ किया: और अपने आप से यह न कहना शुरू करो, कि हमारा पिता इब्राहीम है” (मत्तीयाहू 3:9क)। यह सामान्य सिद्धांत प्राय: प्रार्थना सभा और रब्बियों के लेखों में पाया जाता है; उदाहरण के लिए अमिदा प्रार्थना का एवोट खंड। तलमुद यहाँ तक घोषणा करता है कि “सारे इस्राएल के पास

Bf – तुम सांप के बच्चे किसने आपको आने वाले क्रोध से भागने
की चेतावनी दी मत्ती ३७-१०; लूका ३७-१४ | 5

आने वाले संसार में एक स्थान है (cf. ट्रैक्ट सेन्हेद्रिन 10:1)। महान महासभा के सदस्य अपने आप से यह बात चुपचाप कहेंगे, इसका कारण यह था कि यह अवलोकन का पहला चरण था और वे यूहन्ना के साथ किसी भी तरह की बातचीत में शामिल नहीं हो पा रहे थे।

उनके काल्पनिक तर्क के जवाब में कि उनका इब्राहीम के साथ एक विशेष संबंध था, योचनन एक तीखी फटकार जारी करता है। संभवतः नदी किनारे के पत्थरों की ओर इशारा करते हुए उसने कहा: क्योंकि मैं तुम से कहता हूं, कि परमेश्वर इब्राहीम के लिये इन पत्थरों से सन्तान उत्पन्न कर सकता है (मत्ती ३:९b; लूका ३:८b)। पत्थर दिल अन्यजातियों से वह इब्राहीम के आध्यात्मिक बच्चों को बनायेगा। फरीसियों और सदूकियों को यह सीखने की जरूरत थी कि कोई केवल दिल के इब्राहीम का पुत्र है। रब्बी शाऊल बाद में लिखेंगे: एक व्यक्ति यहूदी नहीं है जो केवल बाहरी रूप से एक है, न ही खतना केवल बाहरी और शारीरिक है। नहीं, वह व्यक्ति यहूदी है जो भीतर से एक है; और परिधि निर्णय मन का खतना है, आत्मा के द्वारा, न कि लिखित संहिता के अनुसार (रोमियों २:२८-२९)। इस कथन की सच्चाई के अलावा, इब्रानी पाठ में स्पष्ट रूप से शब्दों पर एक उत्कृष्ट नाटक भी है। बच्चों के लिए इब्रानी, या बनिम, पत्थरों के लिए शब्द, या अवनिम से निकटता से संबंधित होगा, इस प्रकार केवल पिताओं के गुणों पर भरोसा करने की समस्या को मजबूत करता है।

निर्णय की एक मजबूत छवि एक और सफल होती है। योचनन की यह कहने की तात्कालिकता कि राज्य पहले ही आ चुका था (मत्ती ३:२), यहाँ इस दावे से मेल खाता है कि कुल्हाड़ी पहले से ही पेड़ों की जड़ पर है (मत्तीयाहू ३:१०a; लूका ३:९a)। उभरते फैसले पर न केवल पहले से ही प्रारंभिक क्रिया द्वारा जोर दिया जाता है, बल्कि इस कविता के विशद वर्तमान काल से भी जोर दिया जाता है। एक पेड़ को काटना गैर-यहूदी राष्ट्रों पर परमेश्वर के न्याय के लिए एक रूपक है (यशायाह १०:३३; यहेजकेल ३१:१-१८; दानिय्येल ४:१४)। अब इस्राएल भी ऐसे न्याय का सामना कर रहा है। बाद में, येशुआ फल उत्पन्न करने में विफलता के विशिष्ट संदर्भ के साथ रूपक को अपनाएगा। हर वह पेड़ जो अच्छा फल नहीं लाता, काटा और आग में डाला जाता है। इस प्रकार उनके फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे (मत्ती ७:१९; लूका १३:६-९)। और हर एक पेड़ जो अच्छा फल नहीं लाता, काटा और आग में झोंका जाएगा (मत्ती ३:१०b; लूका ३:९b)। जड़ को काटने से केवल छंटाई के बजाय पेड़ को अंतिम रूप से हटाने का संकेत मिलता है। परिणामस्वरूप, इस्राएल के न्याय का आधार इब्राहीम की संतान होने में असफलता नहीं है, बल्कि अच्छे फल की कमी है, जो सच्चे पश्चाताप का प्रमाण है।

अवलोकन करने के बाद, वे फिर अपने निष्कर्ष की रिपोर्ट यरूशलेम में महासभा को देंगे। यदि आन्दोलन महत्वहीन पाया गया, तो सारी बात ही छोड़ दी जाएगी। लेकिन अगर पहला चरण महत्वपूर्ण पाया गया, तो महासभा पूछताछ के दूसरे चरण में आगे बढ़ी। फिर उन्होंने सवाल पूछा, जैसे: तुम कौन हो? आप कौन होने का दावा करते हैं? आप क्या कर रहे हैं? तुम ऐसा क्यों कर रहे हो?

Bf – तुम सांप के बच्चे किसने आपको आने वाले क्रोध से भागने
की चेतावनी दी मत्ती ३७-१०; लूका ३७-१४ | 6

“फिर हमें क्या करना चाहिए?” भीड़ ने पूछा। ऐसा प्रश्न यह सुझाव नहीं देता है कि जो लोग अपने कार्यों के आधार पर परमेश्वर के साथ संबंध बनाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन यह सुसमाचार के लिए एक उपयुक्त, ईमानदार प्रतिक्रिया है। यूहन्ना ने उन्हें उत्तर दिया, “जिसके पास दो कुरते हों वह उसके साथ जिसके पास एक भी कुरता न हो साझा करे।” अंगरखा नंगे शरीर पर और बाहरी वस्त्र के नीचे पहना जाने वाला एक अंतर-वस्त्र था। एक व्यक्ति यात्रा पर ठंड से बचाव के लिए दो अंगरखे पहन सकता है। और जिस व्यक्ति के पास भोजन है उसे भी ऐसा ही करना चाहिए (लूका ३:१०-११) इन आयतों की जड़ें स्पष्ट रूप से तानाख में हैं (अय्यूब ३१:१६-२०; यशायाह ५८:७; यहेजकेल १८:७)। किसी भी वास्तविक विश्वास में गरीब और दुर्भाग्यशाली, और सभी सुसमाचार लेखकों, लूका के लिए चिंता शामिल होनी चाहिए। विशेष रूप से, इस बिंदु पर जोर देने की कोशिश की (लूका ६:३०, १२:३३, १४:१२-१४, १६:९ और १८:२२)।

यहाँ तक कि कर संग्राहक भी बपतिस्मा लेने आते थे। कर संग्राहक अपने लालच के लिए जाने जाते थे। वे कफरनहूम और जेरिको जैसे वाणिज्यिक केंद्रों पर टोल, सीमा शुल्क और टैरिफ एकत्र करने के लिए स्थित थे। ऐसे लोगों ने बोली लगाई थी और रोमनों के लिए इस तरह के टोल वसूलने का अधिकार हासिल कर लिया था। तथ्य यह है कि उनका लाभ इस बात से निर्धारित होता था कि उन्होंने कितना एकत्र किया था और यह कि उनकी बोली का अग्रिम भुगतान किया गया था, जिसके कारण बहुत दुरुपयोग हुआ। उनके साथी यहूदी उनसे घृणा करते थे और उनका तिरस्कार करते थे। कर संग्राहकों के बीच बेईमानी का नियम था (सन्हेद्रिन २५b), और उनकी गवाही को अदालत में स्वीकार नहीं किया गया था। इस प्रकार वे अक्सर पापियों और वेश्याओं से जुड़े होते थे। रब्बी, उन्होंने पूछा: हमें क्या करना चाहिए? उसने उनसे कहा: जितना मिलना चाहिये उससे अधिक न लेना (लूका ३:१२-१३)।

फिर कुछ सिपाहियों ने उससे पूछा, “और हम क्या करें?” उस ने उत्तर दिया: न तो अन्धेर करना और न झूठा दोष लगाना – अपके वेतन पर सन्तुष्ट रहना (लूका ३:१४)। ये सैनिक शायद रोम के नहीं बल्कि यहूदी थे जिन्हें हेरोदेस एंटिपास ने नियुक्त किया था (जोसेफस, एंटीक्विटीज १८.५.१ [१८.११३]), शायद पेरिया में अपने कर्तव्यों के साथ कर संग्राहकों की सहायता करने के लिए। इन सैनिकों को इस्तीफा देने की आवश्यकता नहीं थी, बल्कि अपने पेशे के पापों से बचने के लिए, जैसे कि हिंसक धमकी, जबरन वसूली और अपने वेतन से असंतोष।

यह एक बहुत ही व्यावहारिक संदेश है जो यूहन्ना ने हमें और उन लोगों को दिया जो जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से उसके पास आए थे। जहां रोपे गए हैं वहीं उगाएं। यदि आप माता-पिता हैं, तो माता-पिता बनने के तरीके से प्रकट करें कि आप एक आस्तिक हैं। यदि आप व्यवसाय में हैं, तो अपना व्यवसाय संचालित करने के नैतिक तरीके से दिखाएं कि आप एक आस्तिक हैं। यदि आप वेट्रेस हैं, तो इस तथ्य को सार्वजनिक करें कि आप अन्य कर्मचारियों और ग्राहकों के साथ बातचीत करने के तरीके से इब्राहीम, इसहाक और जैकब के भगवान से प्यार करते हैं। तुम जो हो उसे प्रकट करते हो। इस प्रकार,

Bf – तुम सांप के बच्चे किसने आपको आने वाले क्रोध से भागने की चेतावनी दी मत्ती ३७-१०; लूका ३७-१४ | 7

हमारे प्रभु ने कहा: उनके फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे (मत्ती ७:२०)।